**अनियमितताए** ▶ एफआईआर दर्ज, चल रही थी विभागीय जांच, अधिकारियों की भूमिका पर सवाल

## जांच में घिरे राइस मिलरों को किसने दी मिलिंग की अनुमति

मनमानी ▶ मुख्यालय की सख्ती के बाद हुआ एक्शन, जिले के अधिकारियों पर उठे सवाल

नाम बदलकर चल रही राइस मिलें कस्टम मिलिंग से बाहर

स्टैंडर्ड प्रक्रिया के बावजूद कैसे मिली अनुमति?

नई फर्म के नाम पंजीयन कर शुरू की थी मिलिंग

अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में

**नवभारत,जबलपुर।** नागरिक आपूर्ति निगम में एक बार फिर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। मुख्यालय द्वारा जिन राइस मिलरों को मिलिंग से रोका गया है, वे पहले से ही एफआईआर और विभागीय जांच के दायरे में थे। इसके बावजूद जिला स्तर पर उन्हें मिलिंग की अनुमति दिए जाने से अधिकारियों की कार्यशैली और नीयत पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि संबंधित राइस मिलरों की जानकारी मुख्यालय को पहले से थी, तो फिर मिलिंग शुरू होने के बाद आदेश क्यों बदले गए। वहीं यदि जानकारी नहीं दी गई, तो क्या जिला कार्यालय ने जानबूझकर तथ्य छुपाए। दोनों ही स्थितियों में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। पूरे प्रकरण ने नागरिक आपूर्ति निगम के जिला कार्यालय से लेकर मुख्यालय तक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### काम शुरू होने के बाद जिले से हुआ भुगतान

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित राइस मिलरों ने मिलिंग का कार्य शुरू कर दिया था और जिला कार्यालय द्वारा उन्हें भुगतान भी किया जा चुका है। अब मुख्यालय के आदेश के बाद न केवल काम रुका है, बल्कि भुगतान की गई राशि भी अधर में लटक गई है।

### किस अधिकारी ने किया वेरिफिकेशन

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में संचालित राइस मिल पर दो अलग-अलग अनुबंध कर लिए गए। जबकि अनुबंध से पहले फिजिकल वेरिफिकेशन, जियो टैगिंग, दूरी सत्यापन, मीटर लोड और बिजली कनेक्शन की जांच अनिवार्य होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि दूसरे अनुबंध के समय फिजिकल वेरिफिकेशन किस अधिकारी ने और किन आधारों पर किया ?

## मेन रोड बनी पार्किंग, वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

▶ सड़कों पर खड़े होकर अपनी बारी का करते है इंतज़ार

**जबलपुर, नवभारत।** शहर के एम्पायर टॉकीज के निकट स्थित सीएसडी कैंटीन के मेन डिपो के बाहर जमे ट्रक इन दिनों यातायात व्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। हालात यह हैं कि कैंटीन से जुड़े 50 से अधिक ट्रक 24 घंटे मुख्य सड़क पर ही खड़े रहते हैं। इससे टू लेन का एक बड़ा हिस्सा पार्किंग स्थल में तब्दील हो गया है और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे खड़े ट्रकों की वजह से न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि हर समय दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। खासकर रात के समय सड़क पर खड़े ट्रक जानलेवा साबित हो सकते हैं। दोपहिया वाहन चालकों और छोटे वाहनों को अचानक ट्रकों के सामने आ जाने से मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बताया जा रहा है कि कैंटीन में आने वाले ट्रक अपनी बारी का इंतजार करते हुए टू लेन पर ही खड़े हो जाते हैं। इसके चलते सड़क संकरी हो जाती है और आए दिन जाम की स्थिति बनती है। इसके बावजूद न तो ट्रकों के लिए अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है और न ही प्रशासन की ओर से कोई सख्त कार्रवाई नजर आ रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार इस समस्या की शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका है।

लोगों की मांग है कि कैंटीन के लिए अलग ट्रक पार्किंग स्थल चिन्हित किया जाए और सडको पर खड़े ट्रकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि सड़क का उद्देश्य पूरा हो सके और आम जनता को राहत मिल सके।

## एक प्लाट दो को बेचा, 12 .60 लाख हड़पे

▶ बिल्डर के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज हुई

**जबलपुर।** बरेला स्थितएक प्लाट को दो लोगों को बेचकर बिल्डर ने 12 लाख 60 हजार रूपए हड़प लिए। मामले की दो शिकायतें थाने में हुई। बरेला पुलिस ने रिपोर्ट पर बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी की दो एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस के मुताबिक पंकज कुमार गुप्ता 49 वर्ष निवासी एमईएस कालोनी सदर केन्ट ने शिकायत दर्ज कराई कि कंस्ट्रक्शन कंपनी जिसके प्रोपेराईटर रमनीत सिंह सेठी पिता रविन सिंह सेठी 46 वर्ष निवास प्रीत बिहार नर्मदा रोड जबलपुर से ग्राम बरेला स्थित खसरा नं. 60/1 कुल रकबा 0.4050 हेक्टेयर भूमि पर आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही थी जिसमें प्लाट न. 15 जिसका रकबा 1000 वर्गफुट 25 बाई 40 के प्लाट, प्लाट नं. 14 को रमनीत सिहं सेठी से 300000 रूपए दो चेकों के माध्यम से एवं चार लाख रूपये नगद पर्सनल लोन लेकर राशि बैंक से निकाल कर 21 जनवरी 2020 को रजिस्ट्री करने के दिन दिया था इस प्रकार कुल 7,00000 लाख रूपये सात लाख रूपये प्लाट की रजिस्टी के पूरे पैसे रजिस्ट्री कार्यालय कलेक्ट्रेड में दिया था। रजिस्ट्री कर उक्त प्लाट को दूसरे व्यक्ति को रमनीत सिंह सेठी ने विक्रय कर दिया। इसी प्रकार पृथ्वीराज सिंह नैय्यर पिता त्रिलोचन सिंह नैय्यर 38 निवासी मदन महल गुप्तेश्वर वार्ड ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि विक्रेता मेसर्स जी.के. एस. कन्ट्रक्शन कम्पनी के रमनीत सिह ने प्लाट कुल 5,60,000 रूपये में क्रय किया था, रमनीत सिह सेठी को 1,10,000 रूपये नगद व 4,50,000 रूपये सेन्ट्रल बैंक आफइंडिया शाखा बिलहरी जबलपुर से आर. टी.जी.एस के माध्यम आन लाईन भुगतान किया था।

रमनीत सिह सेठी ने उसका उक्त प्लाट छलकपट पूर्वक कूटरचित दस्तावेज तैयार कर किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय कर दिया गया हैं। पुलिस ने रमनीत सिंह सेठी के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज कर ली है।

## 20 चाकू, 12 किलो गांजा समेत नौ गिरफ्तार

**जबलपुर।** क्राइम ब्रांच के साथ थानों की पुलिस ने गुंडे-बदमाशों के साथ तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें से सात आरोपित 20 चाकू समेत पकड़े गए। जबकि युवक-युवती 12 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किए गए है। यह जानकारी रविवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि चाकू राजस्थान व ऑनलाइन मंगवाये गए है। चाकू के कारोबार करने वाले मुख्य आरोपी के सम्बंध में पतासाजी करते हुये स्त्रोत की जड़ तक पहुंच कर हथियारों के मुख्य सौदागरों को पकड़ने का प्रयास जारी है। हनुमानताल पुलिस ने मंडी मदान टेकरी में दबिश देते हुए मोह. मजीद शॉ पिता मोह. इदरीश 18 वर्ष निवासी टेढी नीम को सात चाकू, अधारताल पुलिस ने रावणपार्क के पास दबिश देते हुये राहुल उर्फ टिर्री रैकवार 26 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी को आठ चाकू, ओमती पुलिस ने राशिद निवासी मोहरिया को एक चाकू, तिलवारा पुलिस ने मनीष पटेल को एक चाकू, ग्वारीघाट पुलिस ने साकेत धाम के पास दबिश देते हुये अजय यादव को एक चाकू समेत दबोचा। इसके अलावा कैंट पुलिस ने आर.सी. ग्राउंड के पास दबिश देते हुये दिव्यम स्वामी 18 वर्ष निवासी बाजपेई कम्पाउंड को एक चाकू, लार्डगंज पुलिस ने सुमितकेवट को एक चाकू के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। वहीं एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत मदनमहल पुलिस ने क्राइम ब्रांच के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए लिंक रोड़ शराब दुकान के पास मदनमहल में दबिश देकर अभिषेक सोनकर पिता रामूलाल सोनकर 23 वर्ष निवासी झंडा चौक रांझी एवं खुशी कौर पिता मनमोहन सिंह कौर 21 वर्ष निवासी बादशाह हलवाई ग्वारीघाट को पकड़ा। तलाशी लेने पर ट्राली बैगमें 6 पैकिटों में 12 किलो 251ग्राम गांजा कीमती 6 लाख 12 हजार 500 रूपये का रखा मिला। पत्रकारवार्ता में अपराध थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा, कंट्रोल रूम प्रभारी सतीष झारिया उपस्थित रहे।

### 75 वारंटी, 23 शराब तस्कर दबोचे

शहर से लेकर ग्रामीण अंचल की पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त की। इस दौरान कई वर्षों से फरार 113 गैर म्यादी वारंटियों एवं 87 गिरफ्तारी वारंट, 68 जमानती वारंट तामील करते हुये 75 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुये 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर 16 लीटर कच्ची , 79 पाव देशी,विदेशी शराब जप्त की गयी है। कॉम्बिग गश्त पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने रात्रि 9 बजे से रात्रि 2 बजे तक एएसपी शहर आयुष गुप्ता, एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह, एएसपी जोन सुश्री पल्लवी शुक्ला, एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा, एएसपी यातायात सुश्री अंजना तिवारी, समस्त नगर पुलिस अधीक्षकों, उप पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी के मार्ग निर्देशन में कराई।

## सरपंच का मोबाइल चोरी, खाते से उड़े 1 .61 लाख

**जबलपुर।** मझोली थाना अंतर्गत पडरिया में रहने वाले ग्राम पोनी कला सरपंच का मोबाइल चोरी हो गया। ठग ने खाते से 1 लाख 61 लाख रूपए उड़ा लिए। पुलिस के मुताबिक अनुराग सिंह 33 वर्ष निवासी ग्राम पडरिया मझौली ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि खेती किसानी का काम करता है। वर्तमान में ग्राम पोनी कला में सरपंच है। मैहर दर्शन करने गया था। घर आते समय ट्रेन से उतरने के बाद खितोला बाजार में बैग चेक किया तो सफेद रंग का मोबाइल गायब था ।जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। उसकी सिम से उसके यूनियन बैंक एवं सेन्ट्रल बैक के खाते लिंक थे। फोन पे पर उसकें दोनो खाते इसी न. से मोबाईल पर एक्टिव थे। उसके यूनियन बैंक के खाता एवं सेन्ट्रल बैक के खाते से कृष्णकुमार सिंघारे के फोन पे के नम्बर पर एवं लता सिंगारे के क्यूआर कोड पर पैसे कुल 1,61,000 रूपए ट्रांसफर कर लिए गए है।

## रांझी के सामुदायिक भवनों के हालत दयनीय

**अवैध कब्जा कर हो रही संदिग्ध गतिविधियां**

**नवभारत,जबलपुर।** जनसुविधाओं के लिए रांझी में बनाए गए सामुदायिक भवनों की हालत इन दिनों काफी दयनीय हो चुकी है। पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित करने की अगर यहां कोई सोचे तो वो संभव नहीं है क्योंकि जहां एक ओर भवन खंडहर में तब्दील हो गया है तो वहीं अज्ञात व्यक्ति द्वारा सामुदायिक भवन में ताला डालकर अपना कब्जा कर लिया गया है। इस संबंध में युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रोहित सैनी ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति कौन है जिसने कब्जा किया है उसका पता लगाया जा रहा है। लेकिन रात के वक्त इस सामुदायिक भवन में खुलेआम दारूखोरी होती है लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस सामुदायिक भवन की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

रोहित सैनी के अनुसार रांझी भवन , ग़ोकलपुर भवन या मानेगांव मोहनिया भवन में पानी की व्यवस्था नहीं है और यहां के शौचालय भी जर्जर हो चुके हैं। रोहित सैनी ने दो टूक कहा है कि जनता के रूपयों की होली नगर निगम खेल रही है।

## महिला की सोने की चैन चोरी

**जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत सराफा बाजार में सिवनी निवासी महिला की सोने की चैन चोर हो गई।**

पुलिस ने बताया कि श्रीमति वंदना पटेल 35 वर्ष निवासी ग्राम पथरिया थाना लखनादौन जिला सिवनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि छोटा फुहारा के पास सूजी मोहल्ला में उसकी बहन रहती है जिसके यहां मेहमानी में आई थी इसी दौरान उसने सोने की एक चैन वजनी 9 ग्राम की कुचया ज्वैलर्स सराफा बाजार से खरीदी थी। उसके साथ उसकी मामी शर्मिला पटेल थी जिनके साथ समीप ही एक होटल में समोसा लिया एवं अपना बैग देखी तो सोने की चैन रखी हुई पर्स बैग में नही थी सोने की चैन की रशीद चैन के साथ पर्स में रखी थी। रास्ते में कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है सोने की चैन की कीमत लगभग एक लाख पांच हजार रूपये की है।

## घर में घुसा चार फीट लंबा सांप

**जबलपुर।** तिलवारा थानांतर्गत क्रेशर बस्ती निवासी हर्ष पटेल के घर में एक चार फीट लंबा सांप घुस गया । सर्प दीवार के सहारे आंगन तक पहुंच गया । अफरातफरी मच गई सूचना पर पहुंचे सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे ने रैस्क्यू करते हुए सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। पकड़ा गया सांप धामन प्रजाति का सांप है। सर्प को स्वस्थ्य और सक्रिय पाये जाने पर प्राकृतिक रहवास तिलवारा के जंगल में छोड़ दिया गय है।

## टेंट हाउस में बुजुर्ग ने लगाई फांसी

**जबलपुर।** गोरखपुर थाना अंतर्गत यादव मोहल्ला रामपुर में टेंट हाउस दुकान में एक बुर्जुग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि सुशील यादव 55 वर्ष निवासी यादव मोहल्ला रामपुर ने सूचना दी कि उसके चाचा के लडके मनोज यादव 55 वर्ष ने प्रदीप टेंट हाउस की दुकान में गले में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मृतक ने यह आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

### जहर खाने से युवक की मौत

गोराबाजार थाना अंतर्गत कजरवारा में जहर खाने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिकनिजी अस्पताल से सूचना मिली कि महेश चंद्र यादव 47 वर्ष निवासी नई बस्ती कजरवारा गोराबाजार को जहरीली वस्तु का सेवन कर लेने के कारण परिजनों द्वारा भर्ती कराया गया था जिसकी दौरान उपचार के रविवार दोपहर लगभग 12-45 बजे मौत हो गई।

### ट्रेन से कटे युवक की मौत

सिहोरा में थाना अंतर्गत मडई रेल्वे लाइन में ट्रेन से कटे युवक की मौत हो गई। मृतक ने आत्महत्या की है या वह किसी हादसे का शिकार हुआ इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने बताया कि सिहोरा रेल्वे स्टेशन से कुलदीप डुमार बरा मोहल्ला ने सूचना दी कि मडई रेल्वे लाईन पर किसी अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम के लिए भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। अज्ञात मृतक की शिनाख्तगी के प्रयास जारी हैं।

## ई रिक्शा ले उड़े चोर

**जबलपुर।** विजय नगर थाना अंतर्गत घडी चौक के पास से अज्ञात चोर ई रिक्शा चुराकर ले गए। पुलिस ने बताया कि प्रिंस कुमार चौधरी 23 वर्ष निवासी इंद्राना मुडारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि घडी चौक के पास रोड में खड़ा उसका ई रिक्शा चोर चुराकर ले गए। पुलिस ने रिपोर्टं पर अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है।

## टिकट चैकिंग से 13 करोड़ 61 लाख का राजस्व प्राप्त

**जबलपुर।** पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक के मार्गदर्शन एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देश पर तीनों मण्डलों में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर चलाए गए टिकट जांच अभियानों में पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के दिसम्बर माह में कुल 01 लाख 87 हजार मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 13 करोड़ 61 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया है। जो इसी माह में पिछले वर्ष वसूले गये जुर्माने (कुल 10 करोड़ 36 लाख रूपए) की तुलना में 31.37 प्रतिशत अधिक है। साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (12 करोड़ 40 लाख रुपए) से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड द्वारा मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट अनबुक्ड लगेज अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 04 हजार प्रकरण से रेलवे ने 26 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है।

## मेन रास्ता छोड़, अन्य दरवाजे बने पहली पसंद

**जबलपुर स्टेशन में दाखिल होने बने अनेक रास्ते**

**जबलपुर, नवभारत।** मुख्य रेलवे स्टेशन पर प्रवेश के लिए वैसे तो प्लेटफॉर्म नंबर एक और छह पर प्रवेश के लिए रास्ते बनाए गए हैं। इनके अलावा भी स्टेशन के प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के कई रास्ते हैं।

यात्रियों की जहां से मर्जी होती है वहां से वे निकल जाते हैं। यही नहीं रेल पटरियों को पार करने में भी ये संकोच नहीं करते। अनधिकृत रूप से इन रास्तों से आवाजाही होने को लेकर सुरक्षा पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। बता दे कि स्टेशन पर चोरी की घटनाएं भी होती हैं। जिस पर कहा जाता है कि इन रास्तों से ही चोर भाग जाते हैं। मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 और 6 के प्रवेश पर मैटल डिटेक्टर लगे हैं, जहां यात्रियों की जांच होती है। यही कारण है कि कई बिना टिकट यात्रियों के साथ चोरों ने भी स्टेशन पर घुसने के अलग-अलग रास्ते चुन लिए हैं। यात्री पार्सल ऑफिस के बाजू से, जीआरपी थाने के बाजू से एक और रेलवे के पुल नंबर 2 की तरफ से। इनके अलावा डीआरएम कार्यालय की ओर सीएंडडब्ल्यू विभाग है, यहां कोच की रिपेयरिंग का काम होता है। इन जगहों से चोरी-छिपे यात्री निकल जाते हैं। बता दे कि स्टेशन में बैग स्कैनर मशीन भी लगी है और यहां यात्रियों की जांच करने स्टाफ भी तैनात रहता है। यही कारण है कि कई बिना टिकट यात्रियों के साथ चोरों ने भी स्टेशन पर घुसने के अलग-अलग रास्ते चुन लिए हैं।

**वेटरनरी विश्वविद्यालय में 3 .50 करोड़ की पंचगव्य योजना के आरोपों पर कुलपति ने रखा अपना पक्ष**

## जांच में पूरा सहयोग, रिपोर्ट अब तक नहीं मिली : कुलपति

**नवभारत,जबलपुर।** नानाजी देशमुख पशु चिकित्सालय विश्वविद्यालय में पंचगव्य योजना के तहत गोबर और गोमूत्र पर शोध के लिए स्वीकृत 3 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि को लेकर घोटाले के आरोप सामने आए हैं।

इस मामले में विश्वविद्यालय के कुलपति मनदीप शर्मा ने प्रेस वार्ता कर जांच समिति द्वारा उठाए गए सवालों पर सफाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय ने जांच में पूरा सहयोग किया है, लेकिन अब तक जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई है। प्रेस वार्ता में कुलपति ने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी दस्तावेज जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जा चुके हैं और विश्वविद्यालय ने जांच में पूरा सहयोग दिया है। इसके बावजूद अब तक जांच समिति की रिपोर्ट विश्वविद्यालय को प्राप्त नहीं हुई है। कुलपति ने बताया कि वर्ष 2012 में राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति द्वारा 'पंचगव्य उत्पादों के विकास हेतु स्वदेशी गोवंश अनुसंधान केंद्र की स्थापना' परियोजना को मंजूरी दी गई थी। यह परियोजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 3.50 करोड़ रुपये की राशि के साथ स्वीकृत हुई थी। परियोजना की रूपरेखा विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. यशपाल साहनी ने तैयार की थी और उन्हें ही इसका प्रमुख अन्वेषक नियुक्त किया गया था।

### सभी उपकरण विवि में उपलब्ध हो रहे उपयोग

उन्होंने कहा कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी और विदेशी नस्लों के गोवंश के गोबर और मूत्र से पंचगव्य उत्पादों का निर्माण करना और उनके प्रभाव की तुलना करना था। कुलपति के अनुसार, परियोजना के दोनों उद्देश्य पूरे किए गए और कार्य पूर्ण होने के बाद इसकी संपूर्ण रिपोर्ट वित्तपोषण एजेंसी को भेजी गई। कुलपति ने स्पष्ट किया कि परियोजना के तहत उपकरणों की खरीदी, वाहन की व्यवस्था और अन्य खर्च विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार किए गए, जिसे वित्तपोषण एजेंसी ने पहले ही स्वीकृति दी थी। सभी उपकरण वर्तमान में विश्वविद्यालय में उपलब्ध हैं और उपयोग में लिए जा रहे हैं। वाहन की खरीदी भी मध्यप्रदेश शासन के क्रय-विक्रय नियमों के अनुसार की गई और इसका उपयोग केवल परियोजना के संचालन के लिए हुआ।

### परियोजना में यात्रा भत्ते का था प्रावधान

उन्होंने यह भी बताया कि परियोजना में यात्रा भत्ते का प्रावधान था, जिसके अंतर्गत ही अधिकारियों और कर्मचारियों ने परियोजना से जुड़ी यात्राएं कीं। परियोजना से संबंधित सभी व्यय शासन के नियमों के तहत हुए और प्रत्येक भुगतान का लेखा परीक्षण के बाद ही निपटान किया गया। कुलपति के अनुसार, हर वर्ष परियोजना के खर्च का लेखा परीक्षण कराया गया और उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा प्रगति प्रतिवेदन समय-समय पर वित्तपोषण एजेंसी को भेजे गए। अब तक वित्तपोषण एजेंसी की ओर से किसी प्रकार की आपत्ति दर्ज नहीं की गई है।